

पत्रांक 4276 / आयु0क0उत्तरा0 / विधि-अनुभाग / 10-11 / देहरादून

कार्यालय आयुक्त कर उत्तराखण्ड
(विधि -अनुभाग)
देहरादून: दिनांक 18 जनवरी 2011

ज्वाइन्ट कमिश्नर(कार्य0)वाणिज्य कर
देहरादून/हरिद्वार/काशीपुर/नैनीताल संभाग,हल्द्वानी ।

विषय-सरकारी कार्यों में उत्तराखण्ड अधिनियम, 2009 में उल्लिखित प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाना ।

उपर्युक्त विषयक के सम्बन्ध में उत्तराखण्ड शासन के पत्र सं0-28/XXXIX-01 स0अ0 /2011/दिनांक 07.2011 का संदर्भ ग्रहण करे, जिसके द्वारा विधायी एवं सांसदीय कार्य विभाग उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना संख्या-25/XXXVI(3)/2010/85(1)/2009/दिनांक 7.01.2011 द्वारा उत्तराखण्ड राजभाषा अधिनियम, 2009 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 14, 2010) में उल्लिखित प्राविधानों का अनुपालन करने हेतु गजट की प्रतियां प्राप्त करायी गई है । (छायाप्रति संलग्न)

उपरोक्त गजट की छायाप्रतियां इस निर्देश के साथ प्रेषित है कि अपने स्तर से समस्त कर निर्धारण अधिकारियों को गजट में उल्लिखित प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही करना/करवाना सुनिश्चित करे।

संलग्न-उपरोक्तानुसार ।

(राधा रतूड़ी)
आयुक्त कर,
उत्तराखण्ड ।

पृ0सं0 4276 /दिनांक उक्त।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित की सेवा में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1-प्रमुख सचिव,वित्त उत्तराखण्ड शासन देहरादून।
- 2-महालेखाकार,उत्तराखण्ड वैभव पैलेस इन्द्रानगर,देहरादून।
- 3-अध्यक्ष/सदस्य वाणिज्य कर अधिकरण देहरादून/हल्द्वानी।
- 4-एडिशनल कमिश्नर,वाणिज्य कर,गढ़वाल जोन देहरादून/कुमायूँ जोन,रूद्रपुर।
- 5-एडिशनल कमिश्नर(आडिट/प्रवर्तन)वाणिज्य कर,मुख्यालय देहरादून।
- 6-ज्वाइन्ट कमिश्नर(अपील)वाणिज्य कर,देहरादून/हल्द्वानी।
- 7-ज्वाइन्ट कमिश्नर(वि0अनु0शा0/प्रवर्तन)वाणिज्य कर,हरिद्वार/रूद्रपुर।
- 8-वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर देहरादून को इस आशय से प्रेषित कि वे उक्त अधिसूचना को वाणिज्य कर विभाग की वेबसाइट पर प्रसारित करने का कष्ट करें।
- 9-श्री राकेश वर्मा, महासचिव उत्तराखण्ड वाणिज्य कर सेवा संघ वाणिज्य कर कार्यालय रुड़की।
- 10-संख्या-अनुभाग को इस निर्देश के साथ कि उक्त अधिसूचना स्कैन कर व्यापार प्रतिनिधियों/ अधिवक्ताओं को ई-मेल द्वारा प्रेषित कर दें।
- 11-इन्टावैट ई-फो प्रा0लि04, फेयरी मेनर द्वितीय फ्लोर 13,आर0सिधुआ मार्ग मुम्बई 400001।
- 12-नेशनल लॉ हाउस बी 2 मॉडर्न प्लाजा बिल्डिंग अम्बेडकर रोड,गाजियाबाद।

प्रेषक,

राजीव चन्द्र,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

- 1- समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।
- 2- समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।
- 3- मण्डलायुक्त गढ़वाल मण्डल/कुमाऊँ मण्डल।
- 4- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 5- समस्त निगमों/परिषदों के अध्यक्ष/प्रबन्ध निदेशक।

भाषा अनुभाग

देहरादून: दिनांक 07 जनवरी, 2011

विषय:- सरकारी कार्यों में उत्तराखण्ड राजभाषा अधिनियम, 2009 में उल्लिखित प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाना।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक के संदर्भ में विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग, उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना संख्या 25/XXXVI (3)/2010/85(1)/2009 दिनांक 07 जनवरी, 2010 द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित उत्तराखण्ड राजभाषा अधिनियम, 2009 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 14, 2010) की प्रतियां आपको इस आशय से प्रेषित हैं कि कृपया उक्त अधिनियम में दिए गये निर्देशों के अनुपालन हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

संलग्न-यथोपरि

8789
15-1-11
संलग्न-यथोपरि
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन

भवदीय,

(राजीव चन्द्र)
सचिव



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट
भाग-1, खण्ड (क)
(उत्तराखण्ड अधिनियम)

देहरादून, बृहस्पतिवार, 07 जनवरी, 2010 ई0
पौष 17, 1931 शक सम्वत्

उत्तराखण्ड शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 25/XXXVI(3)/2010/85(1)/2009
देहरादून, 07 जनवरी, 2010

अधिसूचना

विविध

“भारत का संविधान” के अनुच्छेद 200 के अधीन महामहिम राज्यपाल ने उत्तराखण्ड विधान सभा द्वारा पारित ‘उत्तराखण्ड राजभाषा विधेयक, 2009’ पर दिनांक 07 जनवरी, 2010 को अनुमति प्रदान की और वह उत्तराखण्ड का अधिनियम संख्या 14, वर्ष 2010 के रूप में सर्व-साधारण को सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तराखण्ड राजभाषा अधिनियम, 2009

(उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 14, वर्ष 2010)

उत्तराखण्ड राज्य के राजकीय प्रयोजनों और अन्य विषयों के लिए प्रयोग के निमित्त भाषा के रूप में हिन्दी के अंगीकार करने के लिए व्यवस्था करने का-

अधिनियम

संविधान के अनुच्छेद 345 और अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) में और विषयों के अतिरिक्त यह व्यवस्था की गई है कि राज्य के शासकीय प्रयोजनों और ऐसे विषयों के लिए जो इस अधिनियम के आगे चलकर प्रकट होंगे, प्रयोग में लाने के लिए भाषा के रूप में राज्य का विधान-मण्डल, विधि द्वारा, देवनागरी लिपि में हिन्दी को अंगीकृत कर सकता है।

इसलिए भारत गणराज्य के साठवें वर्ष में विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :-

संक्षिप्त नाम, प्रसार
और प्रारम्भ

- 1- (1) इस अधिनियम का नाम उत्तराखण्ड राजभाषा अधिनियम, 2009 है।
(2) इसका प्रसार समस्त उत्तराखण्ड में होगा।
(3) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

राज्य में हिन्दी का
राजभाषा होना

2-संविधान के अनुच्छेद 346 और 347 के उपबन्धों पर विपरीत प्रभाव डाले बिना देवनागरी लिपि में हिन्दी का उपयोग निम्नलिखित के सम्बन्ध में होगा :-

- (क) (1) संविधान के अनुच्छेद 213 के अधीन प्रख्यापित अध्यादेश;
(2) भारत का संविधान के अधीन अथवा संसद या राज्य के विधान मण्डल द्वारा निर्मित किसी विधि के अधीन, राज्य सरकार द्वारा प्रचारित आदेश, अधिसूचना, नियम, विनियम और उपविधि; और
(ख) राज्य के सभी या कोई शासकीय प्रयोजन;

प्रतिबन्ध यह है कि राज्य सरकार, एतदर्थ साधारण अथवा विशेष आदेश द्वारा राज्य के किसी शासकीय प्रयोजन के लिए भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप से प्रयोग की अनुज्ञा दे सकेगी।

संस्कृत का प्रयोग

3-संस्कृत भाषा भाषियों के हित में, द्वितीय राजभाषा के रूप में संस्कृत का प्रयोग, ऐसे प्रयोजनों के लिए किया जायेगा, जो राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किये जायें।

निरसन एवं
अपवाद

4. (1) उत्तर प्रदेश राजभाषा अधिनियम, 1951 उत्तराखण्ड राज्य के परिप्रेक्ष्य में एतद्द्वारा निरसित किया जाता है।
(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी उपधारा (1) में निर्दिष्ट अधिनियम के उपबन्धों के अधीन कृत कोई कार्य या कार्यवाही इस अधिनियम द्वारा तत्समय उपबन्धों के अधीन कृत कार्य या कार्यवाही समझी जायेगी, मानों इस अधिनियम के सभी उपबन्ध सारवान समय पर प्रवृत्त थे।

आज्ञा से,

राम दत्त पालीवाल,
सचिव।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of 'The Uttarakhand Official Language Bill, 2009' (Adhinyam Sankhya 14 of 2010).

As Passed by the Uttarakhand Legislative Assembly and assented to by the Governor on January 07, 2010).

No. 25/XXXVI(3)/2010/85(1)/2009

Dated Dehradun, January 07, 2010

NOTIFICATION

Miscellaneous

THE UTTARAKHAND OFFICIAL LANGUAGE ACT, 2009

(UTTARAKHAND ACT No. 14 OF 2010)

To provide for adoption of Hindi as the languages to be used for the official purposes and other matters of the State of Uttarakhand.

WHEREAS, Article 345 and Clause (3) of Article 348 of the Constitution provided inter alia that the Legislature of a State may by law adopt Hindi in Devanagri script as the language to be used for official purposes of the State and for matters hereinafter appearing:

AN

Act

Be it enacted by State Assembly in the Sixtieth Year of the Republic of India as follows:--

1. (1) This Act may be called the Uttarakhand Official Language Act, 2009. Short Title, extent and Commencement
- (2) It extends to the whole of Uttarakhand.
- (3) It shall come into force at once.
2. Without prejudice to the provisions of Articles 346 and 347 of the Constitution, Hindi in Devanagri script shall be the language used in respect of the following:-- Hindi to be Official Language of the State
 - (a) (1) ordinances promulgated under Article 213 of the Constitution;
 - (2) orders, notifications, rules regulations and by elaws issued by the State Government under the Constitution of India or under any law made by Parliament or the Legislature of the State; and
 - (b) all or any of the Official Purposes of the State;

Provided that the State Government may by general of special order in this behalf permit the use of International form of Indian numerals for any Official purpose of the State.
3. In the interest of Sanskrit speaking people, Sanskrit language shall be used as second Official language for such purposes as may be notified by the State Government from time to time. Use of Sanskrit
4. (1) The Uttar Pradesh Official Language Act, 1951 is hereby repealed in relation to Uttarakhand. Repeal and sharing
- (2) Notwithstanding such repeal specified in sub-section (1), anything done or any action taken under this Act shall be deemed to have been done or taken under this Act, as if this Act were in force at all material times.

By Order,

RAM DATT PALIWAL,
Secretary.